मुख्य परीक्षा

प्रश्न- स्वयं सहायता समूह अपने क्रियात्मक रूप में सरकार के पूरक की भूमिका निभाते है। इस कथन की व्याख्या करें तथा साथ ही इनके समक्ष मौजूद समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा करें। (200 शब्द)

"Self-Helf Groups plays the role of supplement to the government in their functional form." Explain this statement and discuss the problems and challenges in front of them. (200 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल करना चाहिए-

- स्वयं सहायता समूह मुख्यत: ग्रामीण वर्ग विशेष के वित्तीय मध्यस्थता का एक अनूठा मॉडल है।
- इसकी स्थापना कुछ व्यक्तियों के आपसी सहयोग से या गैर सरकारी संगठन के सहयोग से की जाती है।

सरकार के पूरक की भूमिका :

- लघु उद्यमिता तथा रोजगार को बढ़ावा देना।
- एन.जी.ओ. का सहयोग प्राप्त कर बैंक-लिंकेज कार्यक्रम के तहत बैंकों से उधार प्राप्त करना।
- दूर-दराज के क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन तथा सशक्तिकरण।
- बचत की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
- गरीबी विरोधी कार्यों को संपादित करना।
- महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण कर नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- महाजनी व्यवस्था को सीमित किया है।
- सामाजिक तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देना।

समस्याएँ एवं चुनौतियाँ-

- स्वंय सहायता समूहों में डिक्टेटर की उपस्थिति।
- साक्षरता तथा जागरूकता का अभाव।
- बैंकिंग गतिविधियों में दलाल जैसी गतिविधियाँ।
- फरेब, धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के कारण विश्वास में कमी।
- स्वयं सहायता समूहों में जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं गुटबंदी।
- प्रशासनिक जटिलता, भ्रष्टाचार तथा प्रशासन की औपनिवेशिक मानसिकता इत्यादि।
- स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध नहीं होना।
- उत्पाद में विश्वसनीयता का अभाव।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।